मेंहदीपुर, बालाजी में भागवत कथा श्रवण के अवसर पर माननीय अध्यक्ष जी का सम्बोधन

मेंहदीपुर, बालाजी के इस पवित्र आस्था और हम सब के धार्मिक स्थान पर हम सबको बालाजी की कृपा से यहां भागवत कथा श्रवण करने का अवसर मिला है। जिन पर भगवान की कृपा होती है, उनको ही भागवत कथा श्रवण करने का मौका मिलता है। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं को जानना, समझना और किस तरीके से भगवान श्रीकृष्ण ने जीवन की हर आस्था, चुनौती और कठिनाई का रास्ता बताया, यह सब भागवत कथा में मिलता है। जब हम परीक्षित की कहानी सुनते हैं, तो हमें ज्ञान होता है कि हमारा जन्म और मृत्यु दोनों ही भगवान के चरणों में होते हैं। इस मौके पर हमारे बीच में उपस्थित आचार्य मधुर शास्त्री जी के मुख से हमें यह भागवत कथा श्रवण करने का मौका मिल रहा है। भगवान हम सब पर कृपा करें और हम इसी प्रकार बेहतर तरीके से जीवन की चुनौतियों का सामना करें, इसके साथ ही भगवान के बताए मार्ग पर चलकर सत्य और सेवा का काम करें, इसीलिए हम सब आज बालाजी की कृपा से यहां बैठे हैं। हमारे बीच श्री पीयूष गोयल जी भी मौजूद हैं। श्री गोयल जी केंद्र में बहुत बड़े मंत्री के पद पर हैं। इसके साथ ही राज्य सभा में सदन के नेता हैं। उनकी आस्था बालाजी पर इतनी अधिक है कि वह वर्ष में एक-दो बार बालाजी के दर्शन हेतु यहां जरूर आते हैं। गोयल जी कहते हैं कि बालाजी की जो कृपा और आशीर्वाद उन्हें मिलता है, उसी प्रेरणा से वह देश सेवा का काम करते हैं।

मैं पुन: सभी श्रद्धालुओं को प्रणाम करता हूं। प्रभु की हम पर इसी तरह से कृपा बनी रहे और हमारे जीवन में हमारे हाथों से सबकी सेवा का काम हो, यह आशीर्वाद बालाजी के प्रांगण में हमें मिले। शास्त्री जी के मुख से भागवत कथा के माध्यम से हमें जीवन जीने की राह बताई जाएगी। हमें गणेश पुरी जी महाराज का भी सानिध्य मिला। उन्होंने जिस तरीके से मंदिर का निर्माण कराया और आज भागवत कथा का आयोजन किया, इस हेतु उन्हें भी बहुत-बहुत धन्यवाद।

आप सबको प्रणाम।